(62)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष सैध्दांतिक–प्रथम प्रश्न पत्र सत्र– 2017–18

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक प्रथम प्रश्नपत्र मे निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई–1
परिभाषाएँ
अ. संगीत, स्वर, अलंकार सप्तक, थाट, राग।
ब. आरोह, अवरोह, पकड़, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी।

इकाई–2
निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह–अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण –
अ. यमन, बिलावल, खमाज।
ब. उपरोक्त रागों के प्रारंभिक पाँच अलंकारो का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3
अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे की स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।
ब. सामान्य ज्ञान – सरगम, लक्षणगीत एवं छोटाख्याल।

इकाई–4
अ. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के दस थाट एवं उनके सांकेतिक चिन्ह।
ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई–5
अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।
ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित) –
त्रिताल, एकताल।

S. Khanwalkar.

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष सैध्दांतिक–द्वितीय प्रश्न पत्र सत्र– 2017–18

पूर्णांक– 30

उत्तीर्णांक–11

आंतरिक मूल्यांकन–10

सैध्दांतिक द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–
(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई–1

परिभाषाएँ

अ. नाद, श्रुति, पूर्वांग, उत्तरांग, आश्रय राग।

ब. वर्जित स्वर, वक्र स्वर, कण स्वर, मींड, वर्ण।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–
भैरव, काफी, आसावरी।

ब. उपरोक्त रागों के प्रारंभिक पाँच अलंकारों का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3

अ. राग–जाति का सामान्य अध्ययन (औडव, षाडव, संपूर्ण)।

ब. राग की 09 उपजातियाँ।

इकाई–4

अ. शुद्ध, छायालग, संकीर्ण राग।

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई–5

अ. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल, चिन्ह सहित)–
झपताल, चौताल।

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक– प्रथम वर्ष

सत्र– 2017–18

प्रायोगिक

पूर्णांक– 70

उत्तीर्णांक– 23

सैध्दांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी–

(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

1. समस्त रागों में प्रारंभिक पांच अलंकारों का गायन।
2. समस्त रागों में आरोह, अवरोह, पकड एवं सरगम का गायन।
3. समस्त रागों में लक्षणगीतों का गायन।
4. समस्त रागों में छोटा ख्याल का गायन।
5. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली देकर प्रस्तुति–
   त्रिताल, एकताल, झपताल एवं चौताल।
6. भजन, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, मध्यप्रदेश गीत का गायन।

S. Khanwah.

डी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18

प्रथम प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत

तंत्र वाद्य एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1 पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन:
भूपाली, यमन, काफी, अल्हैया बिलावल।

2 वर्ण तथा उसके प्रकारों का वर्णन। वादी संवादी, अनुवादी, विवादी।

इकाई–2

1. पं. भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति का वर्णन।
2. पाठ्यक्रम के रागों की रज़ाखानी गत लिखना।
3. संगीत की उत्पत्ति एवं तंत संबंधी अवधारणा।

इकाई–3

1. परिभाषाएं:– नाद, स्वर, सप्तक, अलंकार, तोड़ा, तान, घसीट, मींड, कृन्तन, ज़मज़मा, राग,श्रुति, गमक, थाट, कण, संगीत।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों की ठाह तथा दुगुन लिखना. तीनताल, कहरवा, दादरा तथा रुपक।

इकाई–4

1. निम्नलिखित गीत शैलियों का वर्णन– चतुरंग, सरगम, ख्याल, लक्षणगीत, गजल, भजन।
2. मसीतखानीगत तथा रज़ाखानी गत की परिभाषा।
3. राग की जातियों का अध्ययन।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन परिचय लिखिएं

पं. विष्णु नारायण भातखण्डे, इमदादखां, तानसेन, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर।

S. Khanwal.

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
द्वितीय प्रश्न पत्र (सैद्धांतिक) वाद्य संगीत
तंत्र वाद्य एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 30

इकाई –1

1. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों का विवेचानात्मक अध्ययनः भैरव, दुर्गा, खमाज तथा मालकौंस।
2. अपने वाद्य का सचित्र वर्णन तथा उसको मिलाने की विधि।

इकाई–2

1. आवर्तन, ठेका, तिहाई, लय तथा उसके प्रकार (विलम्बित, मध्य तथा द्रुत लय)
2. पाठ्यक्रम के रागों की रजाखानी गत बोल, मात्रा सहित लिखना।
3. प्राचीन भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–3

1. दस थाटों की जानाकरी।
2. वादकों के गुण अथवा दोष।

इकाई–4

1. ध्वनि की परिभाषा (आन्दोलन, तरंग) नाद, सांगीतिक ध्वनि एवं शोर।
2. नाद के गुण, तारता, तीव्रता, (ऊंचा नीचापन, छोटा बड़ापन)।

इकाई–5

संगीत विषयक निबंध।

बी0ए0 प्रथम वर्ष वार्षिक पाठ्यक्रम 2017–18
तृतीय प्रश्न पत्र (प्रायोगिक) वाद्य संगीत
तंत्र एवं सुषिर वाद्य

पूर्णांक :– 70

1. कल्याण, खमाज, काफी थाटो के अलंकारो का अपने वाद्य पर वादन। मिजराब के बोलों का अभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के रागों में से दो रजाखानीगत का वादन।
3. पाठ्यक्रम में से किसी एक राग में झाला वादन।
4. पाठ्यक्रम के तालों में से दादरा, रुपक, तीनताल की ठाह तथ दुगुन, हाथ पर ताली से प्रदर्शन।

S. Khanwalk

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017–2018

कक्षा	–	बी.ए. प्रथम वर्ष
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	सैद्धान्तिक
अधिकतम अंक	–	50

उद्देश्य :– भारतीय नृत्यकला विद्यार्थी को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक स्तर पर सशक्त बनाती है,भारत में शास्त्रीय नृत्यों की एक समृद्ध परम्परा और इतिहास है। ये नृत्य हमारी सांस्कृतिक विरासत की मजबूत कड़ी है।

भारतीय कला व संस्कृति से परिचय कराती नृत्यकला का उच्च शिक्षा के अन्तर्गत विषय के रूप में अध्ययन न केवल छात्र को अपनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत से परिचित करावेगा, अपितु उसे इस कला के शास्त्र और प्रायोगिक पक्ष में निहित सौदर्न्य को समझने का अवसर भी प्रदान करेगा।

–:इकाई प्रथमः–

- कथक नृत्य के उद्भव व विकास का प्रारंभिक ज्ञान।
- कथक नृत्य का सामान्य परिचय।
- कथक नृत्य का प्रदर्शन कम।

–:इकाई द्वितीयः–

- नाट्य,नृत्त एवं नृत्य का परिचयात्मक ज्ञान।
- नर्त्तक नर्तकी व नृत्याचार्य के गुण दोष।
- नृत्य करने के शारीरिक एवं मानसिक लाभ।

–:इकाई तृतीयः–

- अभिनय दर्पण के अनुसारः–
  ग्रीवा भेद, शिरो भेद, 28, असंयुक्त हस्त मुद्राऐं, विनियोग तथा प्रयोग सहित

–:इकाई चतुर्थः–

- कथक नृत्य में प्रयुक्त होने वाले पारम्परिक वाद्ययंत्रों का परिचय।
- निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञानः–
  सम, मात्रा, लय, आवर्तन, विभाग, ताली–खाली, थाट, आमद, परन कवित्त, तोड़ा टुकड़ा, गतनिकास, गतभाव,

डॉ. मीरा काले (अध्यक्ष)	डॉ. सुवर्णा तावसे (सदस्य)	डॉ. लतासिंह मुंशी (सदस्य)	डॉ. सुचित्रा हरमलकर (सदस्य)

–:इकाई पंचम:–

- ताल त्रिताल में नृत्य के बोलों को लिपिबद्ध करना।
- ताल दादरा, कहरवा व त्रिताल का परिचय तथा ठेके को ठाह, दुगुन में लिखने का अभ्यास।
- निम्नलिखित कलाकारों का जीवन परिचय:–
  1. पण्डित बिन्दादीन महाराज
  2. पण्डित जयलाल महाराज
  3. श्रीमती सितारा देवी

पाठ्यक्रम हेतु संदर्भित पुस्तकों की सूची:–

1. कथक नृत्य शिक्षा भाग–1 डॉ. पुरू दाधीच
2. कथक नृत्य शिक्षा भाग–2 डॉ. पुरू दाधीच
3. कथक दर्पण – तीरथराम आजाद
4. नृत्य निबंध – डॉ. पुरू दाधीच
5. भारत के लोकनृत्य – श्याम परमार
6. कथक अक्षरों की आरसी – डॉ. ज्योती बक्सी

डॉ. मीरा काले	डॉ. सुवर्णा तावसे	डॉ. लतासिंह मुंशी	डॉ. सुचित्रा हरमलकर
(अध्यक्ष)	(सदस्य)	(सदस्य)	(सदस्य)

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017–2018

कक्षा	–	बी.ए. प्रथम
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	प्रथम, प्रायोगिक
अधिकतम अंक	–	40

–:ताल नर्तन:–

- ताल त्रिताल में सम्पूर्ण नर्तन:–
  1. तत्कार – थाह, दुगुन व चौगुन लय में
  2. नमस्कार
  3. थाट – 02
  4. आमद – 01
  5. टुकड़े – 02
  6. तोड़े सादे – 03
  7. चक्कदार – 02
  8. सादी परन – 02
  9. चक्कदार – 01
  10. तिहाईयां – 02
  11. कवित्त – 01
- ताल झपताल में नर्तन:–
  1. तत्कार – थाह व दुगुन लय में
  2. सादे तोड़े – 02
  3. तिहाई – 01
- ताल परिचय व तत्कार का ज्ञान:–
  1. दादरा
  2. कहरवा
- सभी बोलो को हाथ से ठेका देकर बोलने का अभ्यास

डॉ. मीरा काले (अध्यक्ष)	डॉ. सुवर्णा तावसे (सदस्य)	डॉ. लतासिंह मुंशी (सदस्य)	डॉ. सुचित्रा हरमलकर (सदस्य

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये पाठ्यक्रम
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
सत्र 2017–2018

कक्षा	–	बी.ए. प्रथम
विषय	–	नृत्य–कथक
प्रश्न–पत्र	–	द्वितीय, प्रायोगिक
अधिकतम अंक	–	40

–:अभिनय:–

- गुरू वन्दना–
- गत निकास–
  1. सीधी गत
  2. मुरली की गत
  3. मटकी की गत
- ग्रीवा भेदो का प्रायोगिक प्रदर्शन
- शिरो भेदो का प्रायोगिक प्रदर्शन
- 28, असंयुक्त हस्तमुद्राओं का प्रायोगिक प्रदर्शन

डॉ. मीरा काले (अध्यक्ष)	डॉ. सुवर्णा तावसे (सदस्य)	डॉ. लतासिंह मुंशी (सदस्य)	डॉ. सुचित्रा हरमलकर (सदस्य)